CBSE Test Paper 02

Ch-16 रीढ़ की हड्डी

1. सिद्ध कीजिए कि उमा के कथन में लड़कियों की पीड़ा प्रकट होती है।
2. रीढ़ की हड्डी पाठ में उमा का गायन अचानक क्यों रुक गया था? जबकि इसी गायन से वह लड़के वालों को प्रभावित करना चाहती थी।
3. उमा ने गोपाल प्रसाद के साथ जो व्यवहार किया, आपके विचार से वह कितना उचित है, लिखिए?
4. रीढ़ की हड्डी एकांकी के आधार पर रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।
5. गोपाल प्रसाद एम.ए. से बेहतर किसे मानते हैं और क्यों? रीढ़ की हड्डी पाठ के सन्दर्भ में बताइए।

CBSE Test Paper 02
Ch-16 रीढ़ की हड्डी

Answer

1. उमा, रामस्वरूप की बी.ए. पास विवाह योग्य पुत्री है। उसे देखने शंकर नामक युवा अपने पिता गोपाल प्रसाद के साथ आता है। गोपाल प्रसाद अधिक पढ़ी-लिखी बहू नहीं चाहता है। वह तरह-तरह से उमा की जाँच-पड़ताल करता है, जिससे उमा को गहरी ठेस पहुँचती है। उमा की आँखों पर चश्मा लगा देखकर वह उमा की उच्च शिक्षा का अनुमान कर लेता है और तरह-तरह की बातें करता है। उमा द्वारा यूँ अपनी तोल-मोल किया जाना अपमानजनक लगता है। वह दुखी होती है और कहती है कि वह मेज-कुर्सी से भी बदतर है क्योंकि खरीदने वाला मेज-कुर्सी से कोई प्रश्न तो नहीं करता है। बस उन्हें मोल-भाव कर खरीद लिया जाता है। ऐसा आदमी जो लड़कियों को भेड़-बकरियों के समान समझता है, खुद कसाई के समान है। वह अपनी ऊँची पढ़ाई को भी जायज़ ठहराती है। इस प्रकार उसके कथन में लड़कियों की पीड़ा है।

2. रामस्वरूप, शंकर और उसके पिता को प्रभावित करने के लिए उमा से कुछ गाने के लिए कहते हैं। सितार बजाते हुए उमा गायन शुरू करती है। गायन चल रहा था कि अचानक उसकी नज़र सामने बैठे शंकर पर पड़ी। शंकर पर नज़र पड़ते ही वह समझ गई कि यह तो वही शंकर है जो उसके (लड़कियों) हॉस्टल के बाहर आवारा की तरह घूमता रहता था। उमा साहसी तथा स्पष्टवादिनी है। उसे अपने व्यक्तित्व के सामने शंकर का व्यक्तित्व बौना लगा, इसलिए ऐसे लड़के के सामने गाना उसे अपमानजनक लगा और उसका गायन रुक गया।

3. गोपाल प्रसाद समाज के उन लोगों का प्रतीक है जिनकी सोच समाज के लिए हितकर नहीं है। ऐसे लोग नारी जाति को मात्र उपभोग की वस्तु समझते हैं वे स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी होते हैं। उनके विचार से यदि नारी पढ़-लिख गई तो अपने अधिकारों के प्रति सजग हो जाएगी।
   उमा द्वारा गोपाल प्रसाद के साथ किया गया व्यवहार बिल्कुल उचित है। स्त्री और पुरुष समाज के अंग हैं। दोनों बराबर हैं। उमा शिक्षित युवती है जो अपना हित-अहित समझती है। नारी के विरुद्ध ऐसी सोच रखने वाले को लताड़कर उमा ने ठीक ही किया।

4. रीढ़ की हड्डी एकांकी में रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद दोनों ही पुरुष पात्रों में प्रमुख हैं। वे एकांकी के अधिकांश भाग में उपस्थित रहते हैं। उनके चरित्र की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

   - **रामस्वरूप-** इस एकांकी के प्रमुख पुरुष पात्र हैं। वे आधुनिक विचारों को महत्त्व देने वाले तथा उच्च शिक्षा के समर्थक हैं। वह अपनी बेटी उमा को बी०ए० तक पढ़ाते हैं। वे उसके विवाह को लेकर चिंतित दिखते हैं। वे गोपाल प्रसाद के पुत्र शंकर से उसकी शादी तय करते हैं। वह गोपाल प्रसाद की मनोवृत्ति जानकर उमा की शिक्षा की बात छिपाते हुए परिस्थितियों से समझौता कर लेते हैं।
   - **गोपाल प्रसाद-** वह पेशे से वकील हैं पर शिक्षा के मामले में दोहरी राय रखते हैं। वे उच्च शिक्षा लड़कों के लिए तथा लड़कियों के लिए कम शिक्षा के पक्षधर हैं। वे शादी जैसे मामले को भी बिजनेस मानते हैं। वे दहेज की

लालच में अपने मेडिकल की पढ़ाई कर रहे बेटे का विवाह कम पढ़ी-लिखी लड़की से भी करने को तैयार हो जाते हैं।

5. गोपाल प्रसाद अपने जमाने के मैट्रिक-पास व्यक्ति को आजकल के एम.ए. पास वालों से बेहतर मानते हैं। उनके इस कथन से यह प्रतीत होता है कि वे अपने समय के पढ़े-लिखों को अच्छा समझते हैं। उनके मन में आज के युवकों की पढ़ाई के प्रति तिरस्कार की भावना भरी है। ऐसा करके वे आजकल के युवाओं पर दबदबा बनाना चाहते हैं।